## \* DIO \* (Tense)

र काल के तीन भेद हैं -

- 🛈 वर्तमानकाल
- भूत ११भाविष्यत्काल
- (1) वर्तमान काल: 5 भेप है।
  - (प) सामान्य वर्तन वह पहता है।
  - (b) तात्नालिक वर्तः वह पढ़ रहा है।
- (८) पूर्व वर्तमान वह पर चुका है।
  - (ल) संक्षिय वर्तः वह परता होगा।
  - (e) समांत्य वर्तः वह पर्ता हो।
- (2) मृत्काल: ७ भेद है।
- (व) सामाध भूत सीता गयी।
- (b) आम्न भूत सीता गयी है।
- (०) पूर्व भूत सीता गयी थीं।
- अपूर्व भूत सीता जा रहा थी। (d)
- (6) संिकश मृत - सीता गयी होगी।
- हेतुहेतुमद् भूत श्नीला जाती (ब्रिया होने वाली श्रीहुरी ही)
- भविष्यत्कालः 3 भेद ही
- भामान्य भवि० शेखर पटेगा।
- (b) संभात्य भवि: भम्मान है शेखर पहे।
- हेतुहेतुमद् भिक- क्षात्वविति मिले, ती शिखर पह । (एउ डिया का होना इसरी डिया पर निर्मर)

## \* 1714

\* समास का अर्थ होता है — संक्षिप क्या।

\* दी शब्दी से मिलकर बने / दी से आधक अब्दों से

मिल कर बने हुए शब्दी की कहते — समाम

क समास के मुखा मेद है - 6

(a) अव्ययीभाव समास

(b) तटपुरुष समास

(८) कर्मश्वारय समास

(d) हिंगु 99

(e) 2-8 30 30 minus (9)

म) बहुबीहि %

(0) 3न्यथीभाव ब्रमास: — पहला पद = (पूर्वसंचान) होता है।
पहचान: — पहला पद में उपसर्ग (अनु, आ, प्रति ---) होगा।
है के पद पद मितिन = प्रति + दिन (प्रत्येष्ठ दिन)
अगजनम = अग + जन्म (भन्म से लेष्टर)

Park Dir talla miller - 1818-181

(b) तल्पुरुष समार्मः — <u>उत्तरपद</u> प्रद्यान होता, कारक चिन्ह

हिर = गगनचुंबी = गंगन की चुमने लाला (कर्म तः)
करुणापूर्ण = करुणा से पूर्ण (करण तः)
केशभिक्ति = देश के लिए भिक्ति (संप्रपान तः)
थन हीन = धन से हीन (अपहान तः)
थार पुरा = राष्ट्रा का पुरा (सम्बंध तः)

कि अन्य त्रपुरुष भेद:नम् तत्पुरुष:- पृर्व पद भे निष्पस्पक / नकारात्मक
शब्द (अ. अन. न. ना. गेर) त्या हो।

हर = अन्यर्म:- न धर्म
अनावश्यक: - न आवश्यक
गैर वाधिव: - न वाधिव
अनिवह - न निवह

(C) कर्मधार्य समाम : — जिसका पहला पद विशेषण तथा पूसरा पद विशेष्य अथवा एक पद उपमान & पूसरापि अपमेग होता है।

विशेषण: — विशेषता बताने वाले शब्द विशेष्य: — विशेष्य भिसकी विशेषता बताई जाए।

8x - नील गगन - नीला है जो गगन दुंशला - बुरी है जो आत्मा

उपमेय: — जिसकी उपमा दी जाए। उपमान: — जिससे उपमा की जारू।

Ex - जनकता - कनक है समान त्रता धनश्याम - धन के समान इयाम

(म) बहु हिंगु समास?— संख्यावाची समास (पहलापद-संख्या) वस्ती । हिंदा कर्ना — तीन फलीं डा समाहार चंचवरी — पांच वरों ११ ११ मनाहार नवग्रह — नी गृहों ११ ११

(९) उन्ह समास : — पोनी पदी के बीच ग्रीयक चिंह पो 'और' की पश्चीत ही प्राप्ट — दोनो एक - दूसरे के बिलोम होते। हिх — राम-लक्ष्मण — राम और लक्ष्मण सुख - दुख और दुख माता - पिता — माता अभेर पिता

(f) बहुज़ीहि समास: - कीई पद सन्धान नहीं होता, दोनों शब्द मिलाकर एक नया शब्द वनाते हैं।

हिर = पशानन = दश है आतन जिस्के अधित रावन जीताम्बर - पीत है अम्बर जिसका अधित विष्णु राज क्षेत - एड है पॉत जिसके अधित गनीश

1772 July 1971 1972 1975 - 1211+ 146

2-612- W= 71-1-1-1

- Waller II The - was 1

## the tite while it is

भ्यसंधि तीन मकार की होती है —

- D स्वर संस्थि
- ② ट्यंजन ११ ③ विधार ११

\* रवर संधि: - 5 प्रकार की होती।(स्वर+स्वर)

- **ादीद**िसन्य
- ७ गुन भ
- 3) विधि ११ मा मा भाग के न्या मा करें

ण यवा ॥ ③ अथापि ») (1) दीर्ष संस्थि: - अन् : नवर्गे दीर्षः

मियम: -

अ/आ + अ/आ = आ परमार्घ = परम + अर्घ

इ/ ई + इ/ई = ई कवीन्स = जिन इन्स

3/ क + 3/क = क व्यक्ति = व्या + किंमी

राह + ४१६ = राह होत् + सहनार

(२) गुन संधि: - इको थ्रान् आप् गुन:

असा + इडि = स्व नेवेन्त्र = नेव + उन्द्र अ/आ+ 3/क = औ पन्हीदय = पन्ह + उपय आ/आ+ ४६ = अर् महिंध = महा +तहिंष 3) वृहिष् सन्धः - वृहिष्रेन्ति

अ।आ + ए हे = हे ततेव = तत्र म छव अ। आ + औ /औ = औ वनीपणः = वन + औषिप

4) खा सिंख : - इको था वि (स्वर के बाप असमा स्वर आवे) नियम: -अक्तर स्वर्न धे

अह । असमान स्वर = य यदापि = थिर + अपि 3/35 + ११ = व र्वागत = सु + आगतम प्रहर १) = र स्वातंश = स्वात् र अंश

असमान ह्वर् "का अर्घ होता है कि जो स्वर् पर में पहले क्षा चुका है . वी न आकर प्रसरा कीई स्वर्आ।

5) अयादि संध्यि: — एच्चोक्वायाव:

नियमः

ए + असमान्त्वर = अय नयन = ने + अन ि + ११ = उनाय गायन = भी + अनं अभी + ११ = अनव व्यवन = श्री + अन = आव धावं = धो + अंक 377 + The first till at their

14 - 14 14 of 141 - 1-11-31-

क्र ट्यंजन संचि!

Twicky(1)= (च्य, ज्ज, ट्ट, न्न, लप) सिंध में आये तो आसी अन्दर का (त) कर दी।

१४ - सिचित = स्मत्+िचत सम्बन्ध = स्मत्+िजनाव तद्दीका = तत्+िटी जगन्मथ = जगत्+ माथ उत्पास = उत्सिकारम

Hilliam Farm Links

जियं के पहले अक्षर (क. च. ट. त. प) कि वर्ग का तीसरे ११ (ग. ज. इ द. व) (भाष्ट्र का पांचवे ११) (ज्ञ. म. ज. न. म)

वर्ग का पांचन ११ (इ.म. ज. न.म) 1 र्याप तीसरे नहीं आह तो पहले नहीं हो आहे 2 यप पांचन ११ ११ ११ ११ ११

Ex = जगदीश = जगत् + ईश वागीश = वाक् + ईश विमास = घर् + मास सुबन्त = सुप् + अन्त भ (त/द) के बाद (श) हो तो, Change to

Ex = सन्भासि = सन्भासि 3 च्हिल्ट = अब् + शिल्ट

huicy 4 = 'H' हो तो Change = अनुनासिक में।

Ex= सम् + कत्प = संउप्प किम् - चित् = किं चित्

\* स के पहले (अ/अ।) होड्कर कीई भी स्वर हो ती, Change = स = (ष) में

> 6x = नि + सिध्प = निष्हप युश्चि + स्थिर = सुहाल्हर

जिल्हें। ही ती (प) हरा देते हैं। लेकिन, 11 पप = (ह) से शुक्त होगा।

Ex = परिनेहिद = परिनेहिप लक्ष्मीट्हारा) = लक्ष्मी न हाथा किहेद = विनहिप

1 31 St St St Councy (5/3) = 3/3/

Water the tendent

14/5 = 1415.

```
(1) = 'ओ' का विधा कर पेते हैं। [ओ के बाद मधोष, याता
                              र,ल ही तो = विसगी
Ex = असीव स्त = असः + वस्त
   मिने इत = मनः + कूल
      थशोदा = यश: + पा
      मनोविशर = मनः + विशर
(2) 2 अ/आ की होड़कर अभ कोई २ वर + अधीष
Toucky(2) = (श, घ, घ) ही ती विसर्ग कर पी।
               of the state of the state of the
   Ex = निश्चल = निः न्यल
         GCZ = G:+ Z 131514-11 = 13
         बिस्तार = विः +तार
नमस्कार = नमः + नार
Judey (3) = (३३१, ७४, रस) ती आसी वर्लिका विसर्ग
       Ex = दुश्शील = दु भशीली
            निस्संपेह = निः + संपेह
Juny (4) = आस्पे(र) की हराउर विसर्ग कर दी।
        Ex = निग्री = निः नग्रा
              द्यमि = दुः+गम
           निराशा = निः + आशा
Touik(5) = $ (3) & et ? & at Change ($/35 = $/3)
            नीरज = निः +रज
            मिशेग = मि:+ शेग
            नीरव = निः +रव
```

```
Toucky 6 = स्वर (विसर्ग) + स्वर ही ती विसर्ग हरा दी।
       ex = अतः । एव = अतस्व
             यशः + रुट्हा = यश्रेर्ट्हा
       THE TOTTE , TENTE LATE.
           अ/आ(ः) के बाप (ए एवं प्रमु) ही ती विस्मी
Toucky 7
                 नहीं हता सेम लिखा दी ]
        हिर = सातः + जाल = सातः काल
                मनः + जापत = मनः कापत
     1313 12 11 11-12 - 10 10 10 Holy
            FIRM FIRE - PINE 1895.
          A) FIETHER TOTAL
       一个这个证明。不是
        THE PROOF THEFE
      EUR CHRIST RAID FOR TOWN DIE PORT NOTHER
                  1512+ XI-1 = 1,61-1
                19712 T TE - 191918
                 7-772 + 1816 - 1417 ste
               Forbale I have = Elation
```